



### संदेश

भाषा, भावों और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, किसी राष्ट्र के सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों की वाहक और प्रतीक भी होती है। भारत विविध भाषाओं, बोलियों और संस्कृतियों का देश है। हिंदी देश के सभी भाषा-भाषियों को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनमानस को आन्दोलित करने में हिन्दी की अहम भूमिका रही थी। यह एक उन्नत, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। हिंदी की इन विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए ही भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया। इसी उपलक्ष में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनभाषा ही जनता और शासन के बीच संपर्क भाषा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हिंदी भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। वस्त्र मंत्रालय का कार्य क्षेत्र व्यापक स्तर पर देश के जनमानस से जुड़ा है। इसलिए मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन तथा प्रचार-प्रसार राजभाषा हिंदी में किए जाने से अधिकाधिक लोगों का उनका लाभ मिल सकेगा।

वर्तमान वैश्विक उदारीकरण, वाणिज्यीकरण, उपभोक्तावाद और डिजीटलीकरण के इस युग में हर क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और वैश्विक महाशक्ति बनाने और राजभाषा हिंदी सार्थक योगदान दे सकती है।

हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय तथा इसके नियंत्राधीन संगठनों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मैं आप सभी से अनुरोध करती हूँ कि आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसे सफल बनाएं। मैं सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से यह संकल्प लेने का आग्रह करती हूँ कि वे सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

नई दिल्ली

14 सितंबर, 2020

(स्मृति जूबिन इरानी)